न्यूज डायरी

कश्मीर के मुद्दे का भारत, पाक को द्विपक्षीय ढंग से समाधान निकालना चाहिएः मैक्रों

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) चौन्टिली (फ्रांस)। फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुअल मैक्रों ने गुरुवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान को द्विपक्षीय ढंग से कश्मीर मुद्दे का समाधान निकालना चाहिए और क्षेत्र में किसी तीसरे पक्ष को श्हस्तक्षेपश नहीं करना चाहिए या हिंसा नहीं भड़कानी चाहिए। मैक्रों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ आमने–सामने की बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा की। वार्ता के बाद एक साझा प्रेस बयान में राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें जम्मू–कश्मीर पर भारत द्वारा लिए गए हाल के फैसले से अवगत कराया और यह भी बताया कि यह भारत की संप्रभुता से जुड़ा है। मैक्रों ने कहा, मैंने उनसे कहा कि भारत और पाकिस्तान को इस मुद्दे का समाधान निकालना होगा और किसी तीसरे पक्ष को इस क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए या हिंसा को भड़काना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शांति बनाए रखी जानी चाहिए और लोगों के अधिकारों की रक्षा की जानी चाहिए।

फ्रांस में मोदी का मुसलमानों ने किया जोरदार स्वागत, चिढ़ा पाकिस्तान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पैरिस। फ्रांस के राजकीय दौरे पर पेरिस पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जबरदस्त स्वागत किया। पैरिस में एयरपोर्ट पर गुजरात के वोहरा मुसलमानों ने तिरंगे के साथ जोरदार स्वागत किया। इस दौरान भारत माता की जय के नारे भी लगाए गए। प्रधानमंत्री मोदी और बीजेपी को मुसलमान विरोधी साबित करने के लिए पूरी दुनिया में अभियान चलाने वाले पाकिस्तान को यह रास नहीं आया। इमरान खान सरकार में मंत्री फवाद चौधरी पीएम मोदी के स्वागत से इतना ज्यादा चिढ़ गए कि उन्होंने ट्वीट कर अपनी हताशा को जाहिर कर दिया। फवाद चौधरी ने भारतीय प्रधानमंत्री कार्यालय से किए गए विडियो ट्वीट पर रिप्लाई करते हुए लिखा, कितने पैसे लग गए इस ड्रामे पर? पाकिस्तानी मंत्री के ट्वीट के बाद लोगों ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया। प्रकाश तिवारी ने लिखा, फवाद चौधरी...हरकतें भी नाम जैसी ही हैं....टमाटर और रोटी में बिकने वाले पैसे पूछ रहे हैं।

कश्मीर पर डॉनल्ड ट्रंप की नजर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एक बार फिर कश्मीर मुद्दे पर भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता की पेशकश की है। वाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा प्रेजिडेंट ट्रंप कश्मीर मुद्दे को लेकर बहुत सतर्क हैं। अगर दोनों पक्ष मध्यस्थता पर सहमत होते हैं तो प्रेजिडेंट इस दिशा में अपना योगदान दे सकते हैं। इससे पहले भी ट्रंप कई बार मध्यस्थता के लिए तैयार होने की बात कर चुके हैं। वाइट हाउस के अधिकारी ने कहा कि कश्मीर घाटी में हालात पर अमेरिका के प्रेजिडेंट की बारीक नजर है क्योंकि इनका व्यापक असर हो सकता है। बता दें कि भारत ने जब से आर्टिकल 370 खत्म किया है, पाकिस्तान की बेचौनी खुलकर सामने आ रही है। वाइट हाउस की ओर से जारी किए गए बयान के अनुसार, श्कश्मीर के हालात पर यूनाइटेड स्टेट्स की बारीक नजर है। हम एक बार फिर धैर्य रखने और शांति के साथ इस समस्या के समाधान के पक्षधर हैं। बता दें कि जी–7 में पीएम नरेंद्र मोदी की मुलाकात अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप से प्रस्तावित है। दोनों शीर्ष नेताओं के बीच विभिन्न द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा हो सकती है।

एफएटीएफ ने पाक को ब्लैक लिस्ट किया

झटका

फाइनैंशल ऐक्शन टास्क फोर्स की एशिया इकाई ने आतंकी ब्लैक लिस्ट में डाला

- एफएटीएफ ने आतंकियों के वित्तपोषण को रोकने में असफल रहने पर यह कदम उठाया
- एफएटीएफ ने पाया कि कुल 40 मानदंडों में से 32 को पाकिस्तान ने पूरा नहीं किया
- ब्लैक लिस्ट में डाले जाने के बाद पाकिस्तान के ग्रे लिस्ट से निकलने की संभावना कम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन/कैनबरा। कर्ज के संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को एक और बड़ा झटका लगा है। अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के वित्तपोषण की निगरानी करने वाली संस्था 'फाइनैंशल ऐक्शन टास्क फोर्स के ग्रे लिस्ट में डालने के बाद अब एफएटीएफ की एशिया प्रशांत इकाई ने उसे डाउनग्रेड कर ब्लैक लिस्ट में डाल दिया है। एफएटीएफ की एशिया प्रशांत इकाई ने आतंकियों के वित्प्तपोषण और मनी लॉन्ड्रिंग को रोकने में असमर्थ रहने पर पाकिस्तान को ब्लैक लिस्ट में डाला है।

आस्ट्रेलिया की राजधानी कैनबरा में आयोजित एफएटीएफ की एशिया प्रशांत इकाई की बैठक में यह फैसला लिया गया। इससे पहले एफएटीएफ ने पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में डाला था। भारतीय अधिकारियों ने बताया कि एफएटीएफ के एशिया प्रशांत इकाई ने वैश्विक मानदंडों को पूरा नहीं करने के लिए पाकिस्थान को ब्लैक लिस्ट में डाला है। एफएटीएफ ने पाया कि मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकियों के वित्तपोषण से जुड़े 40 मानदंडों में से 32 को पाकिस्तान ने पूरा नहीं किया। इसको देखते हुए एफएटीएफ ने पाकिस्तान को ब्लैक लिस्ट में डाल दिया है।

एफएटीएफ की एशिया प्रशांत इकाई के ब्लैक लिस्ट में डाले जाने के बाद अब पाकिस्तान के एफएटीएफ के ग्रे लिस्ट से निकलने की संभावना और कम हो गई है। बता दें कि फाइनैंशल ऐक्शन टास्क फोर्स ने शुक्रवार को कहा था कि पाकिस्तान टेरर फंडिंग पर अपने ऐक्शन प्लान को पूरा करने में विफल रहा है। अमेरिका के फ्लोरिडा के ओरलैंडो में आयोजित बैठक के समापन पर जारी एक बयान में एफएटीएफ ने चिंता व्यक्त की कि न सिर्फ पाकिस्तान जनवरी की समय सीमा के साथ अपनी ऐक्शन प्लान को पूरा करने में विफल रहा है, बल्कि वह मई 2019 तक भी अपनी कार्य योजना को पूरा करने में भी विफल रहा है।'

इमरान सरकार की नीतियों से अलग–थलग पड़ा पाकिस्तानः पीपीपी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रमुख विपक्षी दल पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने कहा है कि इमरान सरकार की नीतियों के कारण पाकिस्तान आज दुनिया में अलग–थलग पड़ गया है। पाकिस्तानी मीडिया में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, पीपीपी ने इमरान खान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान तहरीके इंसाफ पार्टी की सरकार के एक साल पूरे होने पर गुरुवार को श्वेत पत्र जारी किया।

इमरान खान अपनी सरकार के एक साल को 'तब्दीली (परिवर्तन) का एक साल' करार देते हैं। पीपीपी ने इसके जवाब में इस साल को 'तबाही का एक साल' करार दिया है। पीपीपी ने अपने श्वेत पत्र में कहा है कि बीते एक साल में पाकिस्तान अधिक असुरक्षित, अस्थिर और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कमजोर हो गया है।

112 पन्ने के श्वेत पत्र में पार्टी ने कहा है कि 'सिलेक्टेड सरकार' (सेना व अन्य सत्ता प्रतिष्ठान के समर्थन से बनी सरकार) ने अपने एक साल में विध्वंसकारी नीतियां, यूटर्न, वादाखिलाफी और उम्मीदों को तोड़ने का रिकार्ड बनाया है। पीपीपी ने कहा कि पाकिस्तान तहरीके इंसाफ ने कहा था कि वह कर्ज के लिए आईएमएफ नहीं जाएगी लेकिन आईएमएफ से कर्ज लिया गया। पार्टी ने मीडिया पर कई तरह की पाबंदी का भी आरोप लगाया और कहा कि लोगों की आवाज दबाई जा रही है।

दो हफ्तों से जल रहे दुनिया के फेफड़े

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ब्राजील। दुनिया का फेफड़ा कहे जानेवाले अमेजन के जंगलों में इन दिनों भीषण आग लगी हुई है। ब्राजील के वर्षावनों में पिछले दो हफ्ते से लगी यह आग ब्राजील के साथ–साथ पूरी दुनिया के लिए खतरे की घंटी जैसा है। अमेजन के वर्षावनों को दुनिया का फेफड़ा भी कहा जाता है। दरअसल, यह पूरी दुनिया में मौजूद ऑक्सीजन का 20 फीसदी हिस्सा उत्सर्जित करते हैं। यहां 16 हजार से ज्यादा पेड़–पौधों की प्रजातियां हैं। अमेजन के जंगलों में करीब 39 हजार करोड़ पेड़ मौजूद हैं। यहां 25 लाख से ज्यादा कीड़ों की विभिन्न प्रजातियां पाई जाती हैं।

पाकिस्तान के सांसद ने चिंदबरम की गिरफ्तारी को 370 से जोड़ा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। जम्मू–कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने से पाकिस्तान इस कदर बौखलाया हुआ है कि भारत के हर मामले में दखल की कोशिश में जुटा है। पाकिस्तान के सांसद रहमान मलिक ने भारत के पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम की गिरफ्तारी को अब 370 से जोड़ा है।

पीपीपी पार्टी के सांसद रहमानी ने केंद्र की मोदी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि पूर्व भारतीय मंत्री को आर्टिकल 370 पर सरकार का विरोध करना भारी पड़ा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मोदी सरकार कश्मीर मुद्दे पर से ध्यान हटाने के लिए

- भारत में मोदी सरकार ने आरएसएस को खुली छूट दे दी है

ऐसा कर रही है। उन्होंने अपने बयान से संबंधित कई खबरों को रीट्वीट भी किया।

आर्टिकल 370 के कारण चिंदबरम की गिरफ्तारीः पाक के पूर्व मंत्री ने चिंदबरम की गिरफ्तारी को हैरानी भरा कदम बताया। उन्होंने कहा, श्मनमोहन सिंह की कैबिनेट में वित्त मंत्री और गृहमंत्री का पद संभालनेवाले पी. चिदंबरम की गिरफ्तारी की खबर सुनकर हैरान हूं। मुझे लगता है कि चिंदबरम की सिर्फ एक ही गलती है कि उन्होंने आर्टिकल 370 पर मोदी सरकार के फैसले का समर्थन नहीं किया।

भारत में विपक्षी आवाज दबाने का आरोपः मलिक ने केंद्र सरकार और आरएसएस पर हमला बोलते हुए कहा कि भारत में विपक्षी आवाज को दबाने के लिए षड्यंत्र रचा जा रहा है। उन्होंने कहा, कश्मीर से देश का ध्यान हटाने के लिए मोदी सरकार विपक्षी आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संघ को खुली छूट दे दी है। चिदंबरम की गिरफ्तारी भारत में राजनीतिक बदले और विपक्षी आवाज को दबाने की कोशिश का उदाहरण है। पाकिस्तान की पिछली सरकार में मंत्री रहे पीपीपी सांसद ने पीएम मोदी पर भी खीज निकाली।

वैज्ञानिकों ने विश्व का सबसे छोटा इंजन बनाया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बर्लिन। वैज्ञानिकों ने विश्व का सबसे छोटा इंजन बनाया है जिसका आकार कैल्शियम के एक आयन के बराबर है और कार के इंजन के मुकाबले 10 अरब गुणा छोटा है। इस अनुसंधान में यह समझाया गया है कि अनियमित उतार–चढ़ाव किस प्रकार से सूक्ष्मदर्शी यंत्रों के संचालन को प्रभावित करते हैं।

जर्मनी के जोहानस गुटनबर्ग विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं के मुताबिक भविष्य में ऐसे उपकरणों को बेकार हुई ऊर्जा को पुनर्चक्रित करने के लिहाज से अन्य प्रौद्योगिकियों में प्रयुक्त कर ऊर्जा क्षमता को बढ़ाया जा सकता है। कैल्शियम के एक आयन जितना बड़ा यह इंजन चार्ज्ड पार्टिकल है और इस वजह से विद्युत क्षेत्र के इस्तेमाल से इसका पता लगा पाना आसान होता है। अनुसंधानकर्ताओं का कहना है कि थर्मोडायनमिक्स को सूक्ष्मदर्शी यंत्रों के विन्यास में कैसे लागू किया जा सकता है, यह समझना भविष्य की प्रौद्योगिकियों के लिए बहुत आवश्यक है। यह अध्ययन फिजिकल रिव्यू लेटर्स पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।